श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल (उत्तर प्रदेश): यह बात सही है कि चार दिन से बिजली नहीं है ...**(व्यवधान)**...

श्री रुमान्डला रामचन्द्रय्या (आन्ध्र प्रदेश): गांवों में बिजली आधे-आधे दिन तक नहीं है। आप घंटों में इतनी तकलीफ की बात कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Let the Minister respond.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, I am personally aware of the problem mentioned by many hon. Members relating to non-availability of power in Government buildings and MPs houses for the last few days. Since the issue has been raised by the hon. Members, I will definitely bring it to the notice of the concerned Minister.

MR. CHAIRMAN: For immediate action.

SHRI O. RAJAGOPAL: Yes, Sir.

श्री बालकवि बैरागी (मध्य प्रदेश): बिजली नहीं होने से पानी नहीं होता है, यह सबसे बड़ी समस्या है।

श्रीमती सरोज दुबे: हम भी बहुत परेशान हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: मंत्री जी ने इसको इमीडिएट्‌ली देखने के लिए कहा है ।

SPECIAL MENTIONS

MR. CHAIRMAN: Shri Moolchand Meena. Absent. Shrimati Savita Sharda.

Need to protect children from HIV/ AIDS

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : सभापति महोदय, मेरा आज का स्पेशल मेंशन शिशुओं को एचआईवी एड्स रोग से बचाने के संबंध में है । जहां देश में नवजात शिशुओं की मौतों के प्रमुख कारणों में पुतिया, न्यूमोनिया, मस्तिष्क का ज्वर, शोथ, नाभिशोथ, टिटनेस, अतिसार जन्म के समय सांस लेने की परेशानी, कम वजन जैसी अनेक बीमारियां शामिल हैं वहीं

अब देश में एचआईवी एड्स से प्रभावित चार बच्चे हर घंटे में जन्म ले रहे हैं और अगले पांच वर्ष में अस्पतालों में भर्ती बच्चों में से दस प्रतिशत एचआईवी एड्स से प्रभावित होंगे । देश की गर्भवती महिलाओं में एचआईवी इन्फैक्शन बढ़ रहा है । देश में शून्य दशमलव पांच प्रतिशत गर्भवतियों के एचआईवी से संक्रमित होने का अनुमान है । इस हिसाब से देश में प्रतिवर्ष जन्म लेने वाले ढाई करोड़ बच्चों में से सवा लाख बच्चों को एचआईवी संक्रमित मातायें जन्म दे रही हैं । एचआईवी संक्रमित लगभग 25 प्रतिशत माताओं से एड्स का वायरस शिशुओं को पहुंचता है । मां एचआईवी संक्रमित हो तो स्तनपान के जरिये वायरस के शिशु में पहुंचने की लगभग 25 प्रतिशत आशंका रहती है । मेरे विचार से एचआईवी एड्स जैसी भयंकर बीमारी शिशुओं में न हो, इसके लिए सरकार को कोई ठोस व प्रभावी कदम उठाना चाहिए ।

अत: मेरा माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से विशेष रूप से अनुरोध है कि शिशुओं को एचआईवी एड्स से मुक्ति दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाने की कृपा करें ताकि बच्चों को एचआईवी एड्स से छुटकारा मिल सके और देश में स्वस्थ बच्चे जन्म लें ताकि राष्ट्र में स्वस्थ नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो सके और राष्ट्र उत्तरोत्तर विकास कर सके । धन्यवाद।

SHRIMATI SHABANA AZMI (Nominated): Sir, I associate myself with the Special Mention.

MISS MABEL REBELLO (Madhya Pradesh): I also associate myself with it, Sir.

Prevention of exploitation of minors

डा0 प्रभा ठाकुर (राजस्थान) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान बालक और बालिकाओं के एक ऐसे व्यापक शोषण की ओर आकर्षित करना चाहती हूं जिस तरफ ध्यान दिया जाना आज बहुत आवश्यक है । बाल श्रमिकों के रूप में तो इस देश के हजारों बच्चों के शोषण का मुद्दा अनेक बार उठाया गया है, पर इसके अतिरिक्त मैं देश के उन हजारों लाखों बच्चों को शोषण से बचाने के लिए सदन में अपील कर रही हूं कि जो मासूम बच्चे भीख मांगने के लिए विवश किए जाते हैं तथा अनेक गोद के दुधमुंहे बच्चों को भी भयंकर गर्मी या सर्दी में भीख के लिए भिखारी स्त्री-पुरुषों द्वारा बेरहमी से इस्तेमाल किया जाता है । यह नजारा हम सड़कों से आते-जाते देखते हैं । बड़ा ही हृदय विदारक वह दृश्य होता है । इन बच्चों को कृपया शोषण से बचाए जाने के लिए मैं अपील करती हूं कि कोई प्रभावी कदम उठाया जाना चाहिए । बच्चों को लेकर भीख मांगने या उनसे भीख मंगवाने को एक धंधे के रूप में चलाने के पीछे भी इस देश में अनेक गिरोह सक्रिय बताये जाते हैं । ये बच्चे भी इसी देश की संतान हैं । बच्चों के भीख मांगने या अबोध बच्चों को भीख के लिए इस्तेमाल किए जाने पर रोक लगाने के लिए कड़ा कानून बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन हजारों बच्चों को अपहरण करके या उन्हें अपाहिज बना कर भीख मंगवाने वाले गिरोहों की प्रवृत्ति पर अंकुश लग सके तथा भीख के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बेजुबान बच्चों को इस भयानक शोषण से मुक्ति मिल सके ।